विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -26-07-2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज हिन्दी व्याकरण के अन्तर्गत व्यक्तिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे। लिखकर याद कीजिए।

व्यक्तिवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा की परिभाषा

किसी भी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध कराने वाली संज्ञा ही व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाती हैं। यानी, व्यक्तिवाचक संज्ञा सभी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाती में से ख़ास का नाम बताती हैं।

जैसे- भारत, चीन (स्थान), किताब, साइकिल (वस्तु), सुरेश,रमेश,महात्मा गाँधी (व्यक्ति) आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण

- रमेश बाहर खेल रहा है।
- विकास फुटबॉल खेलता है।
- राम मेरा दोस्त है।
- मैंने आज एक अंग्रेजी की किताब खरीदी।
- मुझे मराठी में बात करना बहुत पसंद है।
- मैं अभी जापानी भाषा सीख रहा हूँ।
- दिल्ली काफी पुराना शहर है।
- विकास फुटबॉल खेलता है।
- भारत में 22 भाषाएँ बोली जाती हैं।

- मैं अमेरिका जाना चाहता हूँ।
- मैं बेंगलुरु में रहता हूँ।
- मुंबई एक स्मार्ट सिटी बन गया है।
- आगरा में ताजमहल है।

भाववाचक संज्ञा

भाववाचक संज्ञा की परिभाषा

जो शब्द किसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। या -

जिस संज्ञा शब्द से पदार्थों की अवस्था, गुण-दोष, धर्म आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-बुढ़ापा, मिठास, बचपन, मोटापा, चढ़ाई, थकावट आदि।

भाववाचक संज्ञा के भेद

भाववाचक संज्ञा के दो भेद हैं

1. **समुदायवाचक संज्ञा**
2. **द्रव्यवाचक संज्ञा**

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण

- ज्यादा दोड़ने से मुझे थकान हो जाती है।
- लगातार परिश्रम करने से सफलता मिलेगी।
- लगातार खेलने से मुझे थकान हो गई है।
- गरीबी के कारण बहुत बच्चे स्कूल नहीं जा पाते।
- तुम साहस करो तो यह काम हो सकता है।
- उसकी आवाज़ में बहुत मिठास है।
- अनेक संघर्षों के बाद हमें आज़ादी मिली है।